[Shri P. Ramachandran]

labour unrest in that area, as the hon. Member knows. But I would not blame any group of people or the workers. I am not interested in finding fault with workers. Sabotage might have been from other people also; not only from workers. Unless the police investigation is over, I will not be able to say anything.

17.50 hrs.

CONTEMPT OF THE HOUSE

MR. CHAIRMAN: As the House is aware, one person, who has given his name as Shri Bhagwan Bux Singh, who is a Lecturer in Modern Vocational Inter College, Lucknow, shouted some slogans from the Visitors' Gallery at about 12.40 P.M. today. He was immediately removed from the Gallery by the Watch and Ward Staff and interrogated.

In a written statement, he has expressed his regret for his behaviour and for shouting slogans from the Visitors' Gallery and requested that he might be excused for his action.

If the House agrees, his regret may be accepted and he may be let off with a warning.

HON. MEMBERS: Yes.

MR. CHAIRMAN: So, the House has accepted it.

17.52 hrs.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION

SEIZURE OF ORNAMENTS FROM PRESIDENT AND CHAIRMAN OF J.K. SYNTHETICS LTD.

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : सभापति महोदया, जो आधे घण्टे की बहस मैं उठा रहा हूं ....

श्री ब्रजभूषण तिवारी (खलीलाबाद) : सभापति महोदया, इस हाउस का समय बढ़ा दिया जाये, और हमें भी प्रश्न का मौका दिया जाये ।

सभापति महोदय : समय बढ़ चुका है, हाउस ने पहले ही स्वीकार कर लिया है कि आधे घण्टे की चर्चा के बाद श्री शांति भूषण का बिल पास करने तक सदन बैठेगा, यह स्वीकृति हो चकी है ।

श्री कंवर लाल गुप्त : सभापति महोदया, यह जो बहस मैं उठा रहा हूं. एमर्जेंसी के जो बहुत बड़े-बड़े स्कैंडल हुए हैं, उनमें से यह भी एक स्कैंडल है । जैसा कि प्रश्न से आपको ज्ञात होगा कि सीताराम सिंघानिया काकस के बहुत नज़दीकी लोग हैं, जिनका सम्बन्ध भूतपूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी और संजय गांधी से है । मेरे पास इस बात का सबूत है कि "गीतों भरी शाम", जो 11-4-76 को दिल्ली में की गई, जिसमें 22 लाख रुपये आमदनी का आया, वह विद्युत् संघ, जिसके सिंघानिया साहब कैशियर हैं और संजय गांधी अध्यक्ष हैं, उनकी तरफ से किया गया था । ये लोग 8-10-76 को एयर इंडिया के हवाई जहाज से मारीशश गये । उसी दिन, प्रधान मंत्री इन्दिरा गांधी, बंसीलाल और उनके काकस के लोग भी मारीशश गये । ये लोग एयर इंडिया के प्लेन से गये और वे एयर-फोर्स के प्लेन से गये । वहां जाने के बाद इनके दो बक्से जिनमें डायमण्ड, ज्वैलरी और सोना भरा हुआ था, वहां टैग देने के बाद दोनों बक्से इन्होंने अपने हाथ में ले लिए । उसके बाद जब ये कस्टम में आये तो कस्टम वालों ने इन्हें पकड़ लिया । इनमें ज्वैलरी वगैरा करीब 20 लाख रुपये का माल निकला । इनका बयान लिया गया । इस के बाद अफसरों ने इनकी रिपोर्ट की और एफ० आई० आर० दर्ज की गई । इन पर केस चलाया गया । जब इन्दिरा गांधी वहां पहुंच गईं, तब उन्होंने मारीशश सरकार पर दबाव डालकर यह कहलवाया कि यह बक्से हमारे नहीं हैं ।